

झपकी स्त्री. (देश.) हल्की नींद, ऊँघाई ऊँघने की क्रिया।

झपझुपी स्त्री. (देश.) दे. झुबझुबी।

झपट स्त्री. (देश.) 1. झपटने की क्रिया या भाव 2. झपट्टा।

झपटना अ.क्रि. (देश.) 1. किसी पर टूट पड़ना ताकि वह कब्जे में हो सके 2. किसी व्यक्ति या वस्तु को लेने या पकड़ने के उद्देश्य से तेजी से आगे बढ़ना 3. लपक कर आवेश में पकड़ना 4. धावा बोलना।

झपटान स्त्री. (देश.) झपटने की क्रिया।

झपटाना स.क्रि. (देश.) 1. धावा कराना 2. झपटने के लिए प्रेरित करना, हमला कराना, झपटने के लिए उकसाना।

झपट्टा पुं. (देश.) दे. झपट प्रयो. मेरे ऊपर चील ने ऐसा झपट्टा मारा कि मैं घबरा गया, झपट्टामार-झपटने वाला मुहा. झपट्टा मारना- किसी पर टूट पड़ना।

झपड़ियाना स.क्रि. (देश.) चपत लगाना, झापड़ मारना।

झपताल पुं. (देश.) संगीत में एक ताल।

झपवाना स.क्रि. (देश.) किसी को झंपाने में प्रवृत्त करना।

झपसना अ.क्रि. (देश.) पेड़-पौधे या लता टहनियाँ छोड़कर बढ़ना।

झपाक क्रि.वि. (देश.) झटपट, चटपट।

झपाका पुं. (देश.) शीघ्रता, जल्दी, त्वरा क्रि.वि. जल्दी से, शीघ्र ही, तुरंत।

झपाटा पुं. (देश.) झपट, झपट्टा।

झपाना स.क्रि. (देश.) आँखे मूँदना, आँखे झपकना, आँखें बंद करना।

झपिया स्त्री. (देश.) 1. गले में पहनने का एक गहना 2. पिटारी।

झपेटना स.क्रि. (देश.अनु.) चपेटना, दबोच लेना।

झपेटा पुं. (देश.) 1. चपेट 2. झपट, झपट्टा 3. आक्रमण।

झपोला पुं. (देश.) (झँपोला) 1. ढक्कनदार छोटा टोकरा या पिटारा 2. पिटारी (झंपोली) स्त्री. पिटारी या ढक्कनदार टोकरी, झँपोली।

झप्प स्त्री. (अनु.) झप की तीव्र ध्वनि या आवाज।

झप्पड़ पुं. (देश.) थप्पड़, झापड़।

झप्पान पुं. (देश.) पहाड़ी क्षेत्रों में प्रयोग की जाने वाली एक प्रकार की पालकी, 'झँपान'।

झप्पानी पुं. (देश.) झँपान ढोने वाला व्यक्ति।

झब पुं. (अनु.) 1. धागों के टुकड़ों से बना हुआ, आभूषण जैसा सुशोभित फुँदना 2. लटकन 3. समूह या गुच्छा 4. झब्बा।

झबकार पुं. (देश.) काला, श्याम वर्ण।

झबरा पुं. (देश.) लंबे और बिखरे बालों वाला पशु अथवा आदमी जैसे- झबरा कुत्ता, झबरी बिल्ली वि. लंबे और बिखरे बालों वाला।

झबराना अ.क्रि. (देश.) 1. कुम्हला जाना, मुरझाना 2. कुछ काला पड़ जाना 3. झाबे से रगड़ना।

झबरीला वि. (तद्.) झबरा, झिबरैरा, झबरैला, कुछ बड़ा-सा।

झबला पुं. (देश.) 1. ढीला-ढाला कुरता 2. टोकरी।

झबा पुं. (देश.) दे. झब।

झबार स्त्री. (अनु.) झंझट, झगड़ा, बखेड़ा।

झबिया स्त्री. (देश.) 1. छोटा झब्बा, फुँदना 2. स्त्रियों का एक आभूषण 3. बाजूबंद आदि में लटकने वाले छोटे-छोटे टुकड़े जो छोटी-छोटी कटोरियों जैसे होते हैं और शोभा के लिए बनाकर लटकाए जाते हैं।

झबुआ वि. (अनु.) झबरा।

झबूकना अ.क्रि. (देश.) चमकना, झलकना, झलक दिखाई देना।

झबूकना अ.क्रि. (देश.) चौंक पड़ना या चौंकना।